प्रलिमि्स फैक्ट्स: 26 सतिंबर, 2020

- जमिक्स 20
- फेम इंडयिा सक्रीम
- दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना
- M87 आकाशगंगा

जमिक्स 20

JIMEX 20

26 से 28 सतिंबर, 2020 के मध्य उत्तरी अरब सागर में भारत-जापान के मध्य द्वपिक्षीय नौसैनकि अभ्यास 'जमिक्स 20' (JIMEX 20) के चौथे संस्करण का आयोजन कयिा जा रहा है।

//

प्रमुख बदिु:

- यह नौसैनकि अभ्यास भारतीय नौसेना एवं जापानी समुद्री आत्म-रक्षा बल (Japanese Maritime Self-Defense Force- JMSDF) के बीच द्वविार्षकि रूप से आयोजति कयिा जाता है।
- अक्तूबर, 2018 में जमिक्स (JIMEX) के तीसरे संस्करण को भारत के वशिाखापत्तनम में आयोजति कयिा गया था।

भारत-जापान नौसैनकि सहयोग:

- भारत और जापान के बीच नौसेना सहयोग पछिले कुछ वर्षों में तेज़ी से बढ़ा है।
- भारत और जापान के मध्य जनवरी, 2012 में समुद्री सुरक्षा सहयोग पर वशिेष ध्यान देने के साथ-साथ जमिक्स (JIMEX) शृंखलाओं की शुरुआत हुई थी।

'जमिक्स 20' (JIMEX 20):

- JIMEX 20 समुद्री संचालन के क्षेत्र में उन्नत अभ्यासों के माध्यम से उच्च-संचालन एवं संयुक्त परचिालन कौशल का प्रदर्शन करेगा।

- COVID-19 के मद्देनज़र तीन दनिों तक चलने वाले JIMEX 20 का आयोजन '**नॉन-कॉन्टैक्ट एट-सी-ओनली फॉर्मेट**' (Non-contact at-sea-only Format) के आधार पर आयोजति कयिा जा रहा है।

महत्त्व:

- JIMEX 20 दोनों नौसेनाओं के बीच सहयोग एवं आपसी वशि्वास को और बढ़ाएगा तथा दोनों देशों के बीच लंबे समय तक आपसी सहयोग को मज़बूत करेगा।

फेम इंडयिा स्कीम

FAME India Scheme

इलेक्ट्रकि मोबलिटिी की दशिा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत सरकार ने '**फेम इंडयिा योजना**' (FAME India Scheme) के **दूसरे चरण** के तहत महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात एवं चंडीगढ़ राज्यों/केंद्र शासति प्रदेशों में 670 इलेक्ट्रकि बसों और मध्य प्रदेश, तमलिनाडु, केरल, गुजरात एवं पोर्ट ब्लेयर में 241 चार्जगि स्टेशनों को मंज़ूरी दी है।

प्रमुख बदिु:

- **भारत सरकार के इस नरि्णय का उद्देश्य जीवाश्म ईंधन पर नरि्भरता को कम करना एवं वाहनों से प्रदूषक उत्सर्जन की समस्या से नपिटना है।**
- भारत सरकार के भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय के अंतर्गत **भारी उद्योग वभिाग** (Department of Heavy Industries) अप्रैल, 2015 से ही '**फास्टर अडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरगि ऑफ हाइब्रडि एंड इलेक्ट्रकि व्हीकल स्कीम** ' अर्थात् 'फेम इंडयिा योजना' का संचालन कर रहा है ताकि देश में इलेक्ट्रकि/ हाइब्रडि वाहनों के अपनाए जाने को प्रोत्साहति कयिा जा सके।
- इस योजना के **पहले चरण** में 31 मार्च, 2019 तक लगभग 2,80,987 हाइब्रडि एवं इलेक्ट्रकि वाहनों को मांग प्रोत्साहन के माध्यम से लगभग 359 करोड़ रुपए की सहायता दी गई थी।
- इसके अलावा भारी उद्योग वभिाग (Department of Heavy Industries) ने देश के वभिन्नि शहरों में लगभग 280 करोड़ रुपए की लागत वाली 425 इलेक्ट्रकि एवं हाइब्रडि बसों को मंज़ूरी दी है।
- फेम इंडयिा योजना के पहले चरण के तहत भारी उद्योग वभिाग ने बंगलूरु, चंडीगढ़, जयपुर एवं दल्लिी एनसीआर जैसे शहरों में करीब 43 करोड़ रुपए की लागत से 520 चार्जगि स्टेशन स्थापति करने को भी मज़ूरी दी थी।
- वर्तमान में फेम इंडयिा योजना के दूसरे चरण को 3 वर्ष की अवधि के लयि लागू कयिा जा रहा है। इसे कुल 10,000 करोड़ रुपए के बजटीय आवंटन के साथ 01 अप्रैल, 2019 से प्रभावी कयिा गया है।
    - इस चरण के तहत सार्वजनकि एवं साझा परविहन के वद्युितीकरण पर ध्यान केंद्रति कयिा गया है। साथ ही लगभग 7000 ई-बसों, 5 लाख ई-तपिहयिा वाहनों, 55000 ई-यात्री कारों और 10 लाख ई-दोपहयिा वाहनों के लयि सब्सडिी के ज़रयि समर्थन करने का लक्ष्य रखा गया है।
        - इसके अलावा इलेक्ट्रकि वाहनों के उपयोगकर्त्ताओं के बीच बुनयिादी ढाँचे को लेकर चति को दूर करने के लयि उसके नरि्माण पर भी ध्यान केंद्रति कयिा गया है।

दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना

Deen Dayal Upadhyaya Grameen Kaushalya Yojana

25 सितंबर, 2020 को **अंत्योदय दिवस** के अवसर पर भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय ने दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (Deen Dayal Upadhyaya Grameen Kaushalya Yojana- DDU-GKY) का स्थापना दिवस मनाया।

प्रमुख बिंदु:

- इस योजना के माध्यम से अब तक 10.51 लाख युवाओं को प्रशिक्षित कर 6.65 लाख युवाओं को सफलतापूर्वक रोज़गार से जोड़ा गया है।

एग्रीप्रेन्योरशिप प्रोग्राम (Agripreneurship Program):

- इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्री ने '**एग्रीप्रेन्योरशिप प्रोग्राम**' (Agripreneurship Program) का उद्घाटन किया तथा इस कार्यक्रम के दौरान निम्नलिखित का विमोचन किया।
    - DDU-GKY के तहत कैप्टिव इम्प्लॉयमेंट (Captive Employment) के दिशा-निर्देश
    - एकीकृत कृषि क्लस्टर (Integrated Farming Cluster) के प्रोत्साहन के लिये दिशा-निर्देश

    - DDU-GKY के उम्मीदवारों की सफलता की कहानियों का संग्रह
- दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (DDU-GKY) के स्थापना दविस को '**कौशल से कल बदलेंगे**' कार्यक्रम के रूप में मनाया गया है।
- दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (DDU-GKY) गरीब ग्रामीण युवाओं को नौकरियों में नयिमति रूप से न्यूनतम मज़दूरी के बराबर या उससे अधकि मासकि मज़दूरी प्रदान करने का लक्ष्य रखती है।
    - यह ग्रामीण वकिास मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा ग्रामीण आजीवकिा को बढ़ावा देने के लयि की गई पहलों में से एक है।

M87 आकाशगंगा

M87 Galaxy

अप्रैल, 2019 में '**इवेंट होराइज़न टेलीस्कोप**' (Event Horizon Telescope- EHT) ने एक **ब्लैक होल** की पहली प्रत्यक्ष छवि जारी की। यह छवि M87 आकाशगंगा (M87 Galaxy) में सुपरमैसवि ब्लैक होल की एक रेडयिो इमेज़ थी।

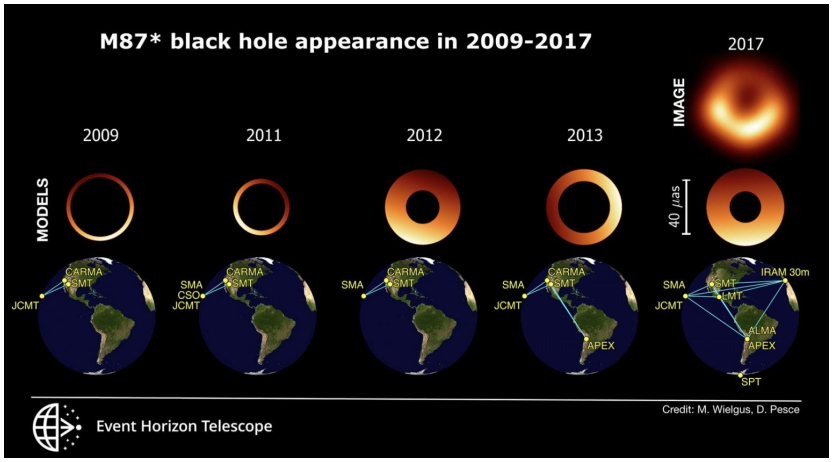

प्रमुख बिंदु:

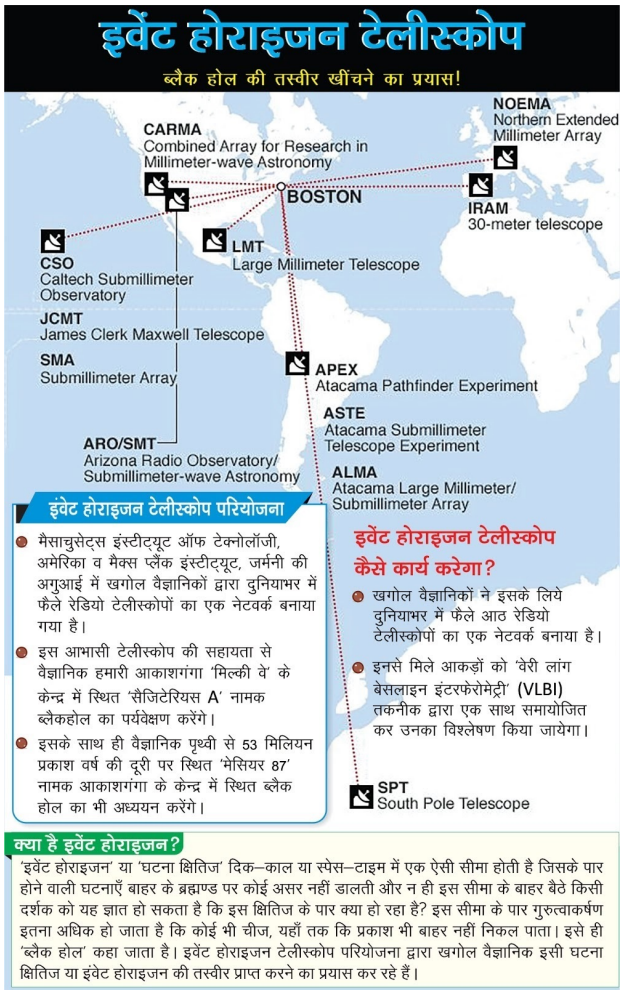

- बहुत सी गुरुत्त्वाकर्षण केंद्रित रेडियो प्रकाश छवियाँ पृथ्वी की ओर केंद्रित थी किंतु ब्लैक होल के पास गैस एवं धूल से उत्सर्जित कुछ प्रकाश भी मौजूद था।
- इस घटना को वैज्ञानिकों ने '**इवेंट होराइज़न टेलीस्कोप**' (Event Horizon Telescope- EHT) के माध्यम से देखा है।
  - अधिकांश ब्लैक होल्स का अवलोकन संबंधी डेटा वर्ष 2017 के बाद से एकत्र किया गया है किंतु कुछ वेधशालाएँ वर्ष 2009 से अवलोकन कर रही थीं।
    - इसका मतलब है कि हमारे पास एक दशक से अधिक की छवियाँ मौजूद हैं, हालाँकि शुरुआती छवियाँ बहुत अधिक धुँधली हैं।
  - यदि हम ब्लैक होल की एक स्पष्ट छवि को कैप्चर कर सकते हैं तो यह प्रकाश की पतली रिंग के रूप में दिखाई देगा।
    - रिंग जैसी दिखने वाली छवि का गठन ब्लैक होल के किनारों पर प्रकाश की मौजूदगी के कारण होता है जो सीधे पृथ्वी की ओर केंद्रित होती है।
  - ब्लैक होल के घूमने के कारण रिंग का एक किनारा हमेशा दूसरे की तुलना में चमकदार होता है।
- एक दशक के डेटा का अवलोकन करने पर पता चलता है कि समय के साथ रिंग का आकार भी बदलता रहता है।

- वर्ष 2021 में दो और रेडियो वेधशालाएँ 'इवेंट होराइज़न टेलीस्कोप' में शामिल हो जाएंगी जो हमें ब्लैक होल के बारे में अधिक स्पष्ट जानकारी देंगी।

ब्लैक होल:

- ब्लैक होल शब्द का इस्तेमाल सबसे पहले अमेरिकी भौतिकविद् **जॉन व्हीलर** ने 1960 के दशक के मध्य में किया था।
- ब्लैक होल्स अंतरिक्ष में उपस्थिति ऐसे छिद्र हैं जहाँ गुरुत्व बल इतना अधिक होता है कि यहाँ से प्रकाश का पारगमन नहीं होता। चूँकि इनसे प्रकाश बाहर नहीं निकल सकता, अतः हमें ब्लैक होल दिखाई नहीं देते, वे अदृश्य होते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-26-september-2020